MONTHLY

Thursday, 01 January 2026 Issue: 002 Page: 01

NavjeevanMoti

नवजीवन मोती

FOR MEMBERS ONLY

નવજીવન મોતી

✍ मेरी कलम से

गाथा वीर बलिदानों की...

गाथा वीर बलिदानों की,
हर साँस में लिखी कहानी है।
मिट्टी ने ओढ़ी चुप्पी गहरी,
पर लहू ने सच की ज़ुबानी है।
माँ की आँखों में ठहरा आँसू,
बेटे ने हँसकर विदा ली थी।
सपनों को सीने में दफनाकर,
उसने वतन से वफ़ा की थी।
सर्द हवाएँ भी काँप उठीं,
जब सीने पर गोली खाई थी।
दर्द की आग में जलकर उसने,
भारत की लाज बचाई थी।
आज भी रातों में गूँज उठे,
उन क़दमों की अमर निशानी है।
हम ज़िंदा हैं उनकी क़ीमत पर—
ये गाथा वीर बलिदानों की।

.....✍अनिल खन्ना (Trustee)

Wednesday, January 14, 2026

मकर संक्रांति का वैज्ञानिक महत्व

सूर्य का संक्रमण (संक्रांति): मकर संक्रांति उस दिन होती है जब सूर्य अपनी वार्षिक गति में **धनु राशि** से निकलकर **मकर राशि** में प्रवेश करता है। इसे **संक्रांति** कहा जाता है।

उत्तरायण की शुरुआत: इस दिन से सूर्य की गति दक्षिणायन से बदलकर **उत्तरायण** हो जाती है। इसका अर्थ है कि सूर्य धीरे-धीरे उत्तरी गोलार्ध की ओर बढ़ता है। उत्तरायण का काल भारतीय परंपरा में शुभ माना जाता है क्योंकि दिन बड़े और रातें छोटी होने लगती हैं।

खगोलशास्त्रीय महत्व: पृथ्वी अपनी धुरी पर झुकी हुई है (लगभग 23.5°)। इसी कारण ऋतुओं का परिवर्तन होता है। मकर संक्रांति के समय सूर्य का झुकाव उत्तरी गोलार्ध की ओर बढ़ता है, जिससे **सर्दी कम** होने लगती है और **बसंत ऋतु** की शुरुआत होती है।

कृषि से संबंध: इस समय रबी की फसल पककर तैयार होती है। इसलिए इसे **फसल उत्सव** भी कहा जाता है।

वैज्ञानिक और धार्मिक संगम: जहाँ वैज्ञानिक दृष्टि से यह **सूर्य की स्थिति और ऋतु परिवर्तन** का संकेत है, वहीं धार्मिक दृष्टि से इसे **सूर्य देव की पूजा और शुभ कार्यों की शुरुआत** का पर्व माना जाता है।

मकर संक्रांति में दान का महत्व

धार्मिक मान्यता: मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश करते हैं और उनकी उत्तरायण यात्रा शुरू होती है। इस समय को शुभ माना जाता है और इस दिन किया गया दान कई गुना फलदायी होता है।

पुण्य और आत्मिक शुद्धि: मान्यता है कि इस दिन दान करने से व्यक्ति को *अक्षय पुण्य* की प्राप्ति होती है। यह आत्मिक शुद्धि और पापों के क्षय का साधन माना जाता है।

दान की वस्तुएँ:

तिल और गुड़: तिल का दान विशेष रूप से शुभ माना जाता है क्योंकि यह शनि और सूर्य दोनों को प्रसन्न करता है।

कंबल, वस्त्र, अन्न: गरीब और जरूरतमंदों को वस्त्र और भोजन देने से जीवन में शांति और समृद्धि आती है।

खिचड़ी और अन्नदान: उत्तर भारत में खिचड़ी का दान विशेष रूप से प्रचलित है।

सामाजिक महत्व: दान केवल धार्मिक कृत्य नहीं है, बल्कि यह समाज में *समानता, सहयोग और भाईचारे* को बढ़ावा देता है।

निष्कर्ष

मकर संक्रांति पर दान का महत्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि सामाजिक और मानवीय दृष्टि से भी अत्यंत गहरा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि **दान से जीवन में पुण्य, शांति और समृद्धि आती है और समाज में प्रेम व सहयोग बढ़ता है।**

सामूहिक जिम्मेदारी से संभव है। इस प्रकार दान केवल सहायता नहीं, बल्कि मानवता में निवेश है। यह हमें याद दिलाता है कि चुनौतियाँ चाहे कितनी भी बड़ी हों, उदारता की शक्ति उनसे कहीं अधिक है।

दान देने के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.navjeevanmotifoundation.org पर जाएँ।

Navjevan Vidhyalaya High School 🏆 SportsStars

प्रियजन, 1 जनवरी को मनाया जाने वाला अंग्रेजी नववर्ष एक वैश्विक कैलेंडर का हिस्सा है जिसे हम सभी जीवन के विभिन्न कार्यों—जन्मदिन, परीक्षाएँ, वेतन आदि—के लिए अपनाते हैं, परंतु साथ ही हमें अपने वास्तविक हिंदू नववर्ष (चैत्र मास, मार्च–अप्रैल) को नहीं भूलना चाहिए क्योंकि वही सृष्टि के आरंभ और प्रकृति के नवजागरण का प्रतीक है; अतः नया साल मनाते समय इसे भारतीयता और सनातन मूल्यों से जोड़ें, घर पर दीप जलाएँ, भगवान से प्रार्थना करें और नशे व व्यर्थ की पार्टियों से दूर रहकर सकारात्मकता और मंगलकामनाओं के साथ उत्सव मनाएँ, क्योंकि हिंदू नववर्ष (नव संवत्सर) धार्मिक दृष्टि से भगवान ब्रह्मा द्वारा सृष्टि की रचना का प्रथम दिवस है, ऐतिहासिक रूप से विक्रम संवत की शुरुआत और महाराजा विक्रमादित्य की विजय का प्रतीक है, तथा प्राकृतिक रूप से वसंत ऋतु के आगमन और नवजीवन का उत्सव है जिसे महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, दक्षिण भारत में उगादि और अन्य राज्यों में विभिन्न नामों से मनाया जाता है; इस प्रकार अंग्रेजी नववर्ष हमें वैश्विक समाज से जोड़ता है और हिंदू नववर्ष हमें सृष्टि, प्रकृति और अपनी परंपराओं से, इसलिए दोनों को समझकर सकारात्मकता के साथ मनाना ही सही संतुलन है

🏆 Young Artist

.....**Ms. Ruchika Joshi**
7H1 Navjivan School (Malad)
Group (5-7 Standard)

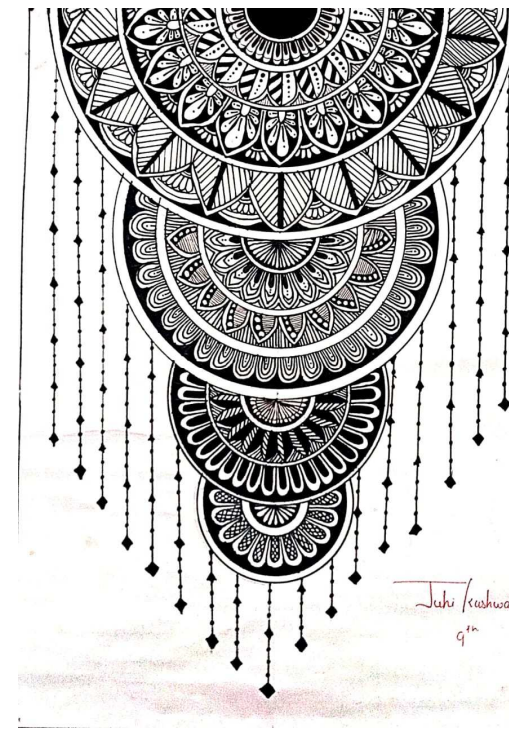

.....**Ms. Juhi Kushwaha**
9H1 Navjivan School (Malad)
Group (8-10 Standard)

26 जनवरी 2026

के इस पावन अवसर पर आपको गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। आज का दिन हमें याद दिलाता है कि हमारा संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, बल्कि हमारे अधिकारों, कर्तव्यों और एकता का प्रतीक है। आइए इस दिन हम सब मिलकर संकल्प लें कि देश की प्रगति में अपना योगदान देंगे, भाईचारे को मजबूत करेंगे और भारत को और भी उज्ज्वल बनाएंगे।

वंदे मातरम्! जय हिंद!

EDITORS

English :
हिंदी :
ગુજરાતી :
Ad : Mahendra Daruka